का टर्म एक्सटेंड हो गया है और इसलिये हम समझते हैं कि यह जो हुआ यह उचित नहीं हुआ । उन्होंने कहा कि कमेटी का टर्म एक्सटेंड हुआ है तो वह सब आपके यहां हाउस में रिपोर्ट होगा तब आप इस इश्यू को उठाइये । यहां पर सेक्रेटरी-जनरल बैठे हैं । मैं एक भी बात गलत नहीं कर रहा हूं । जब सेक्रेटरी-जनरल ने प्वाइंट आउट किया कि वह रिपोर्ट हो चुकी है तो हम चुप हो गये यह सोचकर कि यह हमारी विजिलेंस की कमी रही । क्योंकि शुरू में ही इस बारे में रिपोर्ट हो चुकी है इसलिये इसमें हम कुछ नहीं कर सकते ।. .

(interruptions).. We felt helpless and, therefore, Madam, *in* this Session, because we were aware that once again another extension was being proposed from the very first day we were alert and vigilant. On Friday, the other House extended the tenure of this Committee and we apprehended that it might be reported in the evening that day, at 5-30 or 6 o'clock, and suddenly we would be taken unawares and would lose this opoprtunity. The Chairman himself had suggested to us that we would be losing that. I am not revealing a secret when I say that on Friday evening, at 6 o'clock, when the report was about *to* be placed in the House, I went and requested the Secretary-General and requested him not to do it because this was the only device, this is the only device, open to us and so, I said, "Therefore please do it on Monday. ". T am very grateful that he agreed to my request which I made on behalf of all of my colleagues and this morning we formally made a request to the Chairman that we should be permitted to make our comments on that extension ani now this is how we are being dealt with! If we are angry, we are angry with the Government and not with the Lok Sabha. We are not commenting on the Parliamentary Committee. We are angry with the Government for trying to use a Parliamentary Committee as a** THE DEPUTY CHAIRMAN: It will not go on record.

SHRI LAL K. ADVANI: We are angry with the Government... *(Interruptions)*

•Not recorded.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing of what he says will go on record. Mr. Advani, you have now started offering your comments.

SHRI LAL K. ADVANI:

SOME HON. MEMBERS; **

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on *record*.. *(interruptions)*... All of you, please sit down. I have given my ruling on that and now the matter is over. (At this stage, some Hon. Members left the Chamber.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Parliament is kept...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That will not go on record... *(Interruptions)*... Nothing of what he says will go on re cord.

SHRI V. GOPALSAMY; **

THE DEPUTY CHAIRMAN: This will not go on record. *(Interruptions)* Please sit down.

(At this stage the hon. Member left the Chamber)

SHRI RAOOF VALIULLAH (Gujarat): The comment made by Shri Advani should also not go on record.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That will be expunged. It will not go on record. It will not go anywhere.

ANNOUNCEMENT RE: RESIGNATION BY A MEMBER

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform Members that the Chairman had received a letter from Shri Sukhdev Prasad, a Member representing the State of Uttar Padesh, resigning his seat in Rajya Sabha. The Chairman has accepted his resignation with effect from 16th February, 1988.

THE INDIAN CONTRACT (AMENDMENT) BILL, 1988

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW. AND JUSTICE

Not recorded.

(SHRI HANS RAJ BHARDWAJ): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Contract Act, 1872.

The question was put and the motion was introduced.

SHRI HANS RAJ BHARDWAJ: Madam, I introduce the Bill.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENTS ADDRESS—Contd.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri Babul Reddy—Not here. Shri Darbara Singh.

श्री दरबारा सिंह (पंजाब) : उपसभापति महोदया, सबसे पहले मेरे सामने कोई है ही नहीं जिसको मैं बातें सुना सकूं ।

श्री मिर्जा इर्शादबेग (गुजरात) : रास्ता साफ है ।

श्री दरबारा सिंह : मुझे रास्ता साफ नहीं चाहिये । हमारे सामने प्रेजीडेंट आफ इण्डिया ने जो एड्रेस दिया है उसकी सबसे बड़ी अहमियत इस बात की है कि उन्होंने साफ तौर पर आज की पोजीशन जो है उसको जाहिर किया है बिला इस लिहाज के कि वह किस को भाती है, किस को ठीक नहीं लगती है । सबसे ज्यादा जो हमारे देश में हम सब पर असर हुआ है वह सूखे का असर हुआ है खुशकसाली का असर हुआ है । इस सूखे की भयंकर समस्या से निपटने के लिए इस सरकार ने जो कुछ किया है वह एक ऐसी अवस्था है जिसमें हमने कभी भी ऐसा सूखा नहीं देखा और इतने अधिक लोगों पर इस सूखे का असर हुआ है चाहे वह राजस्थान के लोग हों या गुजरात के हों या किसी दूसरे सूबे के हों । सबसे ज्यादा सूखे की वजह से नुकसान हुआ है लेकिन मैं समझता हूं कि एक भी आदमी इस सूखे के कारण अन्न की कमी की वजह से मरा नहीं है । ठीक है, हमारे हालात खराब हुए हैं बहुत सा रुपया जो लोगों की दूसरी बेहतरी के लिए काम आ सकता था वह लोगों को खुराक पहुंचाने के लिए लग गया इसलिए मैं यह कह देना चाहता हूं कि एक भी आदमी खुराक की वजह से मरा नहीं है । अपनी इंटीन की जिन्दगी में किसी की मौत हो गई हो लेकिन खुराक न मिलने की वजह से कोई नहीं मरा । तो इस सूखे की समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने जो इतना अच्छा काम किया है मैं समझता हूं इतना बड़ा सूखा पहले कभी नहीं हुआ और गवर्नमेंट ने भी इतनी बड़ी मदद की है । मैं इसलिए यह कहना चाहता हूं कि हमें यह समझना चाहिये कि यह देश बहुत बड़ा है और इस देश में जितना रुपया इस बात के लिए खर्च किया गया है वह रुपया दूसरे डवलपमेंट के कामों के लिए काम आ सकता था । मैं एक तजवीज देना चाहता हूं । यह मुश्किल हमेशा न बनी रहे, कभी हमारे यहां बाढ़ आती है, कभी सूखा पड़ जाता है, मेरा सुझाव यह है कि इसके लिए एक स्थायी बन्दोबस्त करने की जरूरत है और इसके लिए जितने भी हमारे देश में दरिया हैं उनके लिए एक हमें गारलैंड कैनाल बनानी चाहिये जहां ज्यादा पानी है वहां से उस क्षेत्र में पानी भेजा जा सके जहां पर पानी नहीं मिल रहा है । लेकिन यह बड़ी लम्बी स्कीम है । लेकिन इस स्कीम को चालू करने की जरूरत है । जरूरत इसलिए है कि हर साल हम जो ड्राउट पर, फ्लड्स पर पैसा खर्च करते हैं क्यों न हम तजवीज करें कि वह पैसा लगातार खर्च किया जाता रहे इस बात के लिए कि हमारे सारे दरियाओं को इकठ्ठा करके उनका एक ऐसा कैनाल सिस्टम बना दें कि जहां जरूरत पड़े वहां पानी जाये, जहां जरूरत नहीं है वहां से निकालकर दूसरी तरफ भेजा जा सके । यह एक बहुत लम्बी स्कीम है जो हमारे पिछले इरीगेशन के मिनिस्टर थे उन्होंने इसकी तजवीज बनायी थी । इसको आगे बढ़ाने की जरूरत है ।

मुझे एक और चीज की भी बरी है । परेशानी इस बात की है कि हिंदुस्तान में जो डिस्ट्रिक्टिव फोर्सेज हैं जो इसको तोड़ना चाहती हैं वे कहीं न कहीं किसी न किसी जगह सिर उठा रही हैं । यही नहीं वे रीजन के नाम पर, लैंग्वेज के नाम पर या सूबे के नाम पर किसी न किसी तरह से ऐसी बातें आगे बढ़ा रही हैं कि जिससे